Title: Urged to send a Parliamentary Committee to study the severe drought in the Chhattisgarh state and also provide financial aid and food.

श्री ताराचंद साहू (दुर्ग) : अध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ एक नया राज्य है और छत्तीसगढ़ में हमको भीाण अकाल की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। Now, it is the month of November. Though summer season is six months away, even now the situation is very bad there. वहां तालाब सूख गये हैं, नदी-नाले सूख गये हैं तथा बोरवेल का पानी बहुत नीचे चला गया है। वहां पीने के पानी का संकट है, निस्तार तालाब के पानी का संकट है,. पशु चारे का संकट है जिसकी वजह से बड़ी संख्या में लोग वहां से पलायन कर रहे हैं। सदन को यह सुनकर आश्चर्य होगा कि मैं एक गांव में गया और वहां के सरपंच ने नाम सहित बताया कि उस गांव से 1700 लोग पलायन कर गये हैं। वहां बहुत खराब स्थिति है। मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करूंगा कि वहां पैसे की जरूरत न होकर अनाज की ज्यादा जरूरत है। वहां 80 प्रतिशत अनाज और 20 प्रतिशत पैसा दिया जाये। वहां की स्थानीय सरकार, प्रदेश की सरकार अपने स्वागत-सत्कार में मस्त है। वे इस अकाल का भी राजनीतिकरण करने लग गयी है। यह दुख का विाय है। उन्होंने एक फरमान भी जारी किया है जिसमें साफ निर्देश दिया गया है कि केवल वहां के प्रभारी मंत्री के निर्देश पर ही राहत कार्य किये जायेंगे। मगर कोई भी राहत कार्य नहीं किया गया है। केवल प्रत्येक ब्लाक में जबकि ब्लाक की संख्या 100 गांव की होती है, 50 हजार रुपये दिये गये हैं जो कि नगण्य की स्थिति है। यह बहुत खराब हालत है। जब गांव से लोग पलायन कर रहे हैं तो इससे बाहर के लोगों को भी मालूम हो गया है कि छत्तीसगढ़ में भीाण अकाल की स्थिति है, इसका वे फायदा उठा रहे हैं। वहां उनका शोाण हो रहा है । महिलाओं को जबरदस्ती रोका जा रहा है तथा पुरुाों को मारपीट कर वापिस भगा दिया गया है। ठेकेदारों द्वारा उनका पैसा रोक लिया गया है।

मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करूंगा कि वहां के सांसदों की एक समिति बनाकर इस स्थिति से निपटा जाये।